सबसे उपयुक्त वैकल्पिक योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययनों हेतु गठित उप-समिति (उप-समिति – II) के छठी बैठक की कार्यवृत्त।

मुद्दा संख्या 6.1 28.7.2015 को आयोजित सबसे उपयुक्त वैकल्पिक योजना की पहचान की प्रणाली अध्ययन के लिए गठित उप-समिति (उप-समिति – II) की पाँचवीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

28.07.2015 को आयोजित उप-समिति-II की पाँचवीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई।

मुद्दा संख्या 6.2 उप-समिति-II के 5 वीं बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्यवाही

I. गोदावरी जलाशय के जल संतुलन अध्ययन की समीक्षा

रा.ज.वि.अ के निदेशक (तक) और उप-समिति-II के सचिव ने सूचित किया कि रा.ज.वि.अ द्वारा इंचमपल्ली के प्रस्तावित बाँध स्थल पर गोदावरी जलाशय के जल संतुलन अध्ययनों का समीक्षण और उत्परिवर्तन कार्य आरंभ किया जा चूका है और यह नवम्बर, 2015 तक समाप्त हो जाएगा।

II. महानदी-गोदावरी लिंक संरेखण को पश्चिम के तरफ विस्थापित करना

रा.ज.वि.अ के निदेशक (तक) ने उल्लेख किया कि रा.ज.वि.अ शीघ्र हीं उप-समिति के सुझाव अनुसार गोदावरी जलाशय के मौजूदा दौलेश्वरम बाँध के वजाय प्रस्तावित इंचमपल्ली बाँध स्थल के निकटवर्ती स्थान पर गोदावरी नदी को जोड़ने के लिए महानदी-गोदावरी संरेखण को पश्चिम की ओर विस्थापित करने के अध्ययनों पर कार्य आरंभ करेगा। उप-समिति ने इस संबंध में एक नोट तैयार किए जाने और इस पर विचार के लिए उप-समिति के अगली बैठक में प्रस्तुत किए जाने की इच्छा प्रकट की।

III. तेलंगाना राज्य की जल आवश्यकता

श्री श्रीराम वेदिरे, सलाहकार (ज.सं,न.वि और गं.सं.मं) और सदस्य, उप-समिति-II ने तेलंगाना के संबंधी प्राधिकरणों से जल उपलब्धता, भिन्न उपयोगों के लिए मौजूदा/ अनुमानित जल आवश्यकता और जल संतुलन पर विस्तृत जानकारी हासिल करने की सलाह दी थी। यह बताया गया कि रा.ज.वि.अ ने दिनांकित 20.08.2015 पत्र के माध्यम से उनके राज्य के लिए वर्तमान और भविष्य के उपयोगों हेतु जल आवश्यकता प्रदान करने के संबंध में पहले ही तेलंगाना सरकार से अनुरोध किया है। तेलंगाना राज्य से जानकारी/ विवरण मिलते हीं रा.ज.वि.अ तेलंगाना राज्य के जल आवश्यकता पर विचार करते हुए इंचमपल्ली-नागार्जुनसागर लिंक के विषय में अपनी वर्तमान योजना की समीक्षा/अद्यतन करेगा।

मुद्दा संख्या 6.3 ओडिशा सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा महानदी-गोदावरी लिंक पर प्रस्तुतीकरण

रा.ज.वि.अ के निदेशक (तक) ने वास्तविक महानदी (मणिभद्रा) – गोदावरी (दौलेश्वरम) लिंक, विकल्प 'क' और विकल्प 'ख' के तुलनात्मक विश्लेषण और महानदी-गोदावरी बाढ़ न्यूनीकरण परियोजना के प्रस्ताव पर एक प्रस्तुतीकरण पेश किया था।

रा.ज.वि.अ द्वारा निष्पादन अनुसार मणिभद्र बाँध के स्थल (हीराकुद से पहले और बाद में) पर महानदी के समीक्षित जल संतुलन अध्ययनों के अनुसार जल उपलब्धता/ आवश्यकता और हीराकुद से आगे के परिदृश्य के लिए ओडिशा सरकार द्वारा निष्पादित जल उपलब्धता/ आवश्यकता पर चर्चा की गई थी। जल उपलब्धता में 75% निर्भरता की व्यापक भिन्नता और जल आवश्यकता पर विस्तार पूर्वक विचार-विमर्श किया गया था। उप-समिति ने निर्णय लिया कि ओडिशा सरकार द्वारा रा.ज.वि.अ को शीघ्रतम स्पाइरल अध्ययन IV, महानदी जलाशय के मास्टर प्लान, मौजूदा, ज़ारी और प्रस्तावित सभी प्रमुख, मध्यम और लघु परियोजनाओं का विवरण शस्य जल आवश्यकता, शस्य स्वरूप, औद्योगिक जल आवश्यकता (पूरी सूची सहित) की समर्थक जानकारियों सहित अपने जल उपलब्धता और जल आवश्यकता के गणना का विवरण प्रदान करना होगा ताकि इसकी जाँच हो सके। अध्ययनों के विवरणों को दर्शाता एक नोट तैयार किया जाएगा और उप-समिति की अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। रा.ज.वि.अ भी जल उपलब्धता और जल आवश्यकता के अनुमानों के भिन्नता पर अपनी राय देगा। मुख्य अभियंता (योजना), जल संसाधन विभाग, ओडिशा सरकार ने रा.ज.वि.अ को दो सप्ताह के भीतर आवश्यक विवरण प्रदान करने और उप-समिति के अगली बैठक में इसपर प्रस्तुतीकरण पेश करने के प्रति सहमति जताई।

मुद्दा संख्या 6.4 रा.ज.सं, रुड़की द्वारा महानदी-गोदावरी लिंक की प्रणाली अध्ययन

डॉ एस.के जैन, वैज्ञानिक 'जी', रा.ज.सं ने संक्षिप्त रूप से महानदी-गोदावरी लिंक का प्रणाली अनुकरण अध्ययन आयोजित करने के लिए आवश्यक विचारणीय विषय प्रस्तुत किया। इससे संबंधी पहलुओं पर चर्चा की गई। विस्तार पूर्वक विचार-विमर्श के बाद यह तय किया गया कि तीन महीनों की अवधि के भीतर रा.ज.सं द्वारा एक प्राथमिक अध्ययन आयोजित किया जाएगा और समिति को यह प्रस्तुत किया जाएगा। इस अध्ययन के लिए आवश्यक जानकारियाँ रा.ज.वि.अ और ओडिशा सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। तत्काल उपलब्ध न होने वाले अवसादन जानकारी और किसी भी अन्य जानकारी का अनुमान सहायक जानकारियों के आधार पर उचित रूप से लगाया जा सकता है। अतिरिक्त छह परियोजनाओं की डिजाइन पैरामीटर की उपलब्धता के संबंध में ओडिशा सरकार के योजना अनुसार इन परियोजनाओं का पैरामीटर अपनाने का निर्णय लिया गया था।

निम्न बिन्दुओं पर विचार करते हुए अध्ययन आयोजित करने का सुझाव दिया गया था:

(i) मासिक आंकड़ों के उपयोग से सात परियोजना स्थलों पर जल उपलब्धता और जल संतुलन। राज्य सरकारों द्वारा प्रदत्त फसल का उपयोग किया जाएगा।

(ii) हीराकुद अवसादन आंकड़ों या 0.5 मिलीमीटर के उपयोग से प्रस्तावित प्रत्येक भण्डारण परियोजनाओं के लिए 50 वर्षों के पश्चात समीक्षित उन्नयन-क्षेत्र-क्षमता वक्र।

(iii) भण्डारण क्षमताओं और विश्वसनीयता के निर्धारण के लिए मा.सं.ति.गं के योगदान के सहित और इसके बिना गैर-मौसम में पर्यावरणीय प्रवाहों को 20% मान कर प्रणाली का एकीकृत बहु-जलाशय अनुकरण अध्ययन।

मुद्दा संख्या 6.5 सलाहकारों की नियुक्ति की स्थिति

यह सूचित किया गया था कि उप-समितियों और कार्यबल के कार्य निष्पादन में सहायता हेतु सलाहकारों की नियुक्ति की प्रक्रिया ज़ारी है। उप-समिति ने इस प्रक्रिया को शीघ्रता पूर्वक पूरा करने किए जाने की इच्छा प्रकट की।

सबसे उपयुक्त वैकल्पिक योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययनों हेतु गठित उप-समिति के छठी बैठक के सहभागी

1. प्रोफेसर पी.बी.एस शर्मा, (सेवा-निवृत्त), एमेरिटस — अध्यक्ष
   सीईडी, आईआईटी, दिल्ली

2. प्रोफेसर कामता प्रसाद, — सदस्य
   अध्यक्ष, सं.प्र.आ.वि.सं,
   दिल्ली

3. श्री श्रीराम वेदिरे, — सदस्य
   सलाहकार, ज.सं,न.वि और गं.संमं

4. डॉ शरद कुमार जैन, — सदस्य
   वैज्ञानिक 'जी', रा.ज.सं

5. श्री एन.सी जैन, — सचिव
   निदेशक (तकनीकी), रा.ज.वि.अ

विशेष अतिथिगण

6. श्री आर.के जैन,
   मुख्य अभियंता (ज.यो.प्र.सं), के.ज.आ

7. श्री विनय कुमार,
   मुख्य अभियंता (ज.सा.सं), के.ज.आ

8. श्री टंकाधर साहू,
   मुख्य अभियंता
   जल संसाधन विभाग,
   ओडिशा सरकार,भुवनेश्वर

9. श्री उपेन्द्र सेठी,
   उप निदेशक,
   मुख्य अभियंता कार्यालय,
   जल संसाधन विभाग,
   ओडिशा सरकार,भुवनेश्वर

विशेष अतिथिगण, रा.ज.वि.अ

10. श्री एस. मसूद हुसैन,
    महानिदेशक, रा.ज.वि.अ

11. श्री आर.के जैन,
    मुख्य अभियंता (मुख्यालय), रा.ज.वि.अ

12. श्री एच.एन दीक्षित,
    मुख्य अभियंता (उत्तर), रा.ज.वि.अ

13. श्री बी.एल शर्मा,
    अधिक्षण अभियंता, रा.ज.वि.अ